**A–1047**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# VAC-03

## मानवीय मूल्य एवं आचार

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

**नोट :** यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

### खण्ड–क

**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** 2×26=52

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मानव स्वरूप की अवधारणा एवं प्रत्ययवादी दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

2. 'आत्मा' ही मनुष्य के स्वभाव का आधार है, उक्त कथन पर प्रकाश डालिए।

3. प्राचीन भारतीय दर्शन के अनुसार मानव स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित दार्शनिकों के अनुसार मानव स्वरूप की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

   (क) प्लेटो के अनुसार

   (ख) अरस्तू के अनुसार

   (ग) एक्विनास के अनुसार

   (घ) कांट के अनुसार

5. भारतीय दृष्टि में मूल्य अथवा धर्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

## खण्ड–ख

**लघु उत्तरीय प्रश्न** 4×12=48

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

   (क) प्रत्ययवाद:

   (ख) वस्तुवाद:

2. मानव स्वभाव की सम्यक विवेचना अपने शब्दों में करें।

3. वेद के अनुसार मानव स्वभाव के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. नीति ग्रन्थों के अनुसार मूल्य के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. मानव चरित्र के तेरह स्वभावगत मूल्यह्रास अथवा प्रमुख दोष एवं उनके निदान पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्ही तीन आधुनिक पाश्चात्य दर्शनिकों का परिचय दीजिए।

   (क) बेनेडिक्ट स्पिनोजा

   (ख) जॉन लॉक

   (ग) इमैनुअल कान्ट

   (घ) योहन गॉटलीब फिष्ट

   (ङ) आर्थर शॉपनहावर

7. 'जानामि धर्मं न च मे प्रवृत्तिः' की व्याख्या कीजिए।

8. 'मानव मूल्य ही जीवन मूल्य है' पर प्रकाश डालिए।

**********